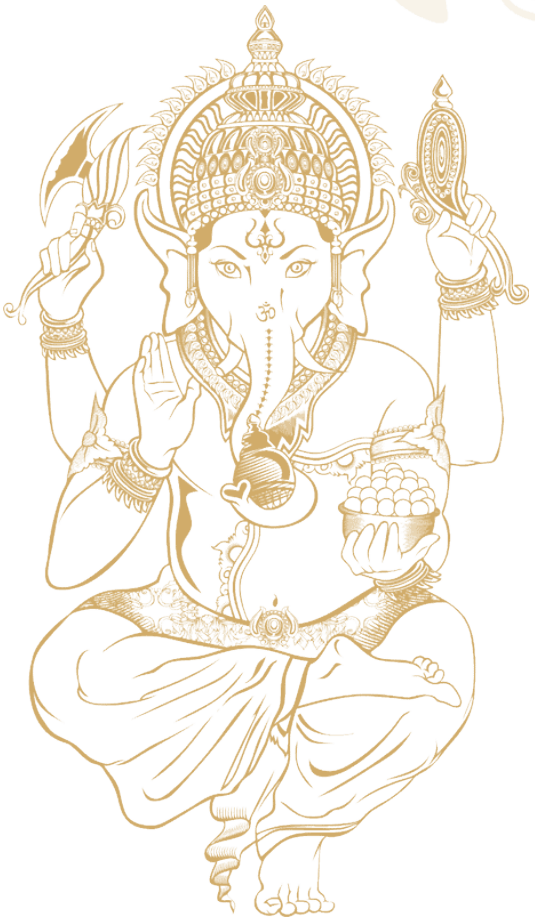

Sakchi

16 Feb 2000

04:40 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121557105

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**15-16/02/2000**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**04:40:00 घंटे**
इष्ट	54:08:50 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:18:52 घंटे
वेलान्तर	-00:14:12 घंटे
साम्पातिक काल	13:59:58 घंटे
सूर्योदय	07:00:27 घंटे
सूर्यास्त	18:10:30 घंटे
दिनमान	11:10:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	02:43:24 कुम्भ
लग्न के अंश	21:42:32 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	प्रीति
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	घ-घटी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	21:42:32	361:36:50	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			कुंभ	02:43:24	01:00:35	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	12:26:23	14:31:38	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
मंगल			मीन	09:07:54	00:45:38	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	मित्र राशि
बुध			कुंभ	20:46:58	00:52:44	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
गुरु			मेष	06:19:09	00:09:54	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	मित्र राशि
शुक्र			मक	03:23:31	01:14:00	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	मित्र राशि
शनि			मेष	17:32:17	00:03:42	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	नीच राशि
राहु			कर्क	09:44:05	00:01:24	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु			मक	09:44:05	00:01:24	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	23:30:15	00:03:27	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
नेप			मक	11:01:51	00:02:09	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चि	18:48:54	00:00:58	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			तुला	08:18:57	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:18

लग्न-चलित

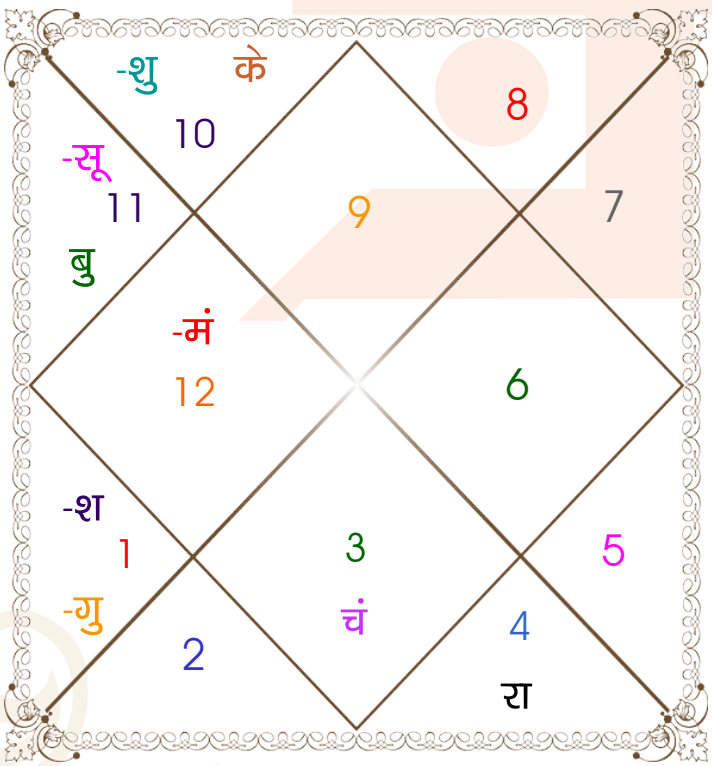

चन्द्र कुंडली

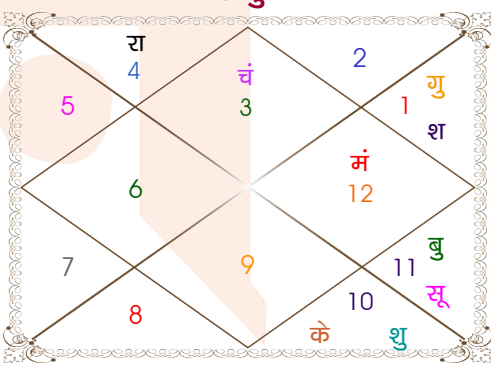

नवमांश कुंडली

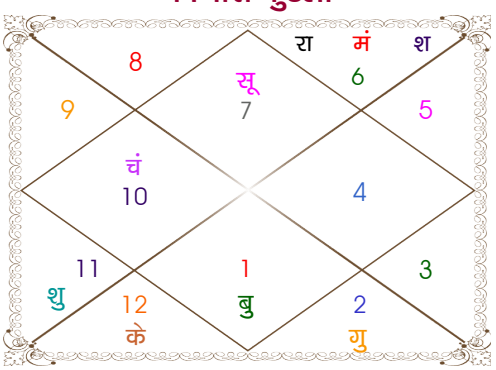

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 10 वर्ष 2 मास 14 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
16/02/2000		02/05/2010		02/05/2026		01/05/2045		02/05/2062	
02/05/2010		02/05/2026		01/05/2045		02/05/2062		01/05/2069	
	00/00/0000	गुरु	19/06/2012	शनि	04/05/2029	बुध	28/09/2047	केतु	28/09/2062
	16/02/2000	शनि	31/12/2014	बुध	12/01/2032	केतु	24/09/2048	शुक्र	28/11/2063
शनि	13/04/2000	बुध	07/04/2017	केतु	20/02/2033	शुक्र	26/07/2051	सूर्य	04/04/2064
बुध	31/10/2002	केतु	14/03/2018	शुक्र	22/04/2036	सूर्य	31/05/2052	चंद्र	03/11/2064
केतु	19/11/2003	शुक्र	12/11/2020	सूर्य	04/04/2037	चंद्र	31/10/2053	मंगल	01/04/2065
शुक्र	18/11/2006	सूर्य	31/08/2021	चंद्र	03/11/2038	मंगल	28/10/2054	राहु	19/04/2066
सूर्य	13/10/2007	चंद्र	31/12/2022	मंगल	13/12/2039	राहु	16/05/2057	गुरु	26/03/2067
चंद्र	13/04/2009	मंगल	07/12/2023	राहु	19/10/2042	गुरु	22/08/2059	शनि	04/05/2068
मंगल	02/05/2010	राहु	02/05/2026	गुरु	01/05/2045	शनि	02/05/2062	बुध	01/05/2069

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
01/05/2069		01/05/2089		02/05/2095		02/05/2105		02/05/2112	
01/05/2089		02/05/2095		02/05/2105		02/05/2112		00/00/0000	
शुक्र	31/08/2072	सूर्य	19/08/2089	चंद्र	01/03/2096	मंगल	28/09/2105	राहु	13/01/2115
सूर्य	31/08/2073	चंद्र	17/02/2090	मंगल	30/09/2096	राहु	17/10/2106	गुरु	08/06/2117
चंद्र	02/05/2075	मंगल	25/06/2090	राहु	01/04/2098	गुरु	23/09/2107	शनि	17/02/2120
मंगल	01/07/2076	राहु	20/05/2091	गुरु	01/08/2099	शनि	01/11/2108		00/00/0000
राहु	02/07/2079	गुरु	07/03/2092	शनि	02/03/2101	बुध	29/10/2109		00/00/0000
गुरु	02/03/2082	शनि	17/02/2093	बुध	02/08/2102	केतु	27/03/2110		00/00/0000
शनि	01/05/2085	बुध	25/12/2093	केतु	03/03/2103	शुक्र	27/05/2111		00/00/0000
बुध	01/03/2088	केतु	02/05/2094	शुक्र	01/11/2104	सूर्य	02/10/2111		00/00/0000
केतु	01/05/2089	शुक्र	02/05/2095	सूर्य	02/05/2105	चंद्र	02/05/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 10 वर्ष 2 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के तृतीय चरण में धनु लग्नोदय काल में हुआ था। आपके जन्म लग्न के उदय के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका यह जन्म लग्नादिक संयोजन आपके आदर्श जीवन की आधारशिला आनंदपूर्ण पराकाष्ठा का सृजन करता है, जो आपके जीवन के लिए सुखद एवं उन्नति कारक प्रतीत होता है। आप स्वाभाविक रूप से निष्कपट महिला है। परंतु जन सामान्य के मध्य "जैसे को तैसा" वाले सिद्धांत की अनुयायी हैं। आप विश्वसनीयता पूर्वक निश्चित जीवन व्यतीत करेंगी।

आप प्रायः सदैव ही अपने पक्ष की रूपरेखा तैयार करने में लगे रहती हैं। आप आकर्षक व्यक्तित्व एवं उत्तम स्वास्थ्य के संबंध में सौभाग्यशाली हैं। आप थोड़ी शिक्षा प्राप्त करके भी बैल की सींग जैसी पैनी कार्य क्षमता द्वारा अपनी सफलता हेतु कार्य संपादन करती रहेंगी। आपमें जन्मजात अंतर्ज्ञान एवं शक्ति विद्यमान है। आप अपनी कार्य योजना के कार्यान्वयन हेतु पूर्व ही सभी तथ्यों का अध्यापन कर हर दृष्टिकोण से तत्पर रहती हैं एवं अपनी कार्य योजना पूर्णरूपेन संपन्न करने में सक्षम हो जाती हैं।

आप किसी भी तरह दो प्रकार चाल की विशेषताओं से मुड़ने की प्रवृति रखती हो। पहली बात तो यह है कि आप जूआ के प्रलोभन में फंसकर संतुष्ट होना चाहती हो। परिणाम स्वरूप क्षति उठानी पड़ती है। दूसरी बात यह कि आप धारा प्रवाह बात चीत करती हो। इस कारण मानवीय स्वाभाविक विश्वसनीयता अन्य लोगों की दृष्टि में नष्ट हो जाती है। आप सदैव स्पष्ट रूप से किसी भी बात को जन सामान्य के मध्य प्रकट कर के अन्यों के द्वारा छेड़-खानी की शिकार बनती हो। आप सदैव अपनी पैनी तीक्ष्ण शाब्दिक उच्चारण करके अन्य लोगों की आत्मा पर चोट पहुंचाती हो। इस कारण आप जब कभी अपना मैत्री पूर्ण अधिकार जताना चाहती हो तो तुम्हारे मित्र इस बातों का बहिष्कार करते हैं।

आप वैदेशिक लोगों के प्रति आकर्षित रहती हो। आप सदैव उनसे परिचय एवं संपर्क बढ़ाना चाहती हो एवं उनको अपनी दृष्टि में उच्चतम बनाकर अपना लेना चाहती हो। यदि आप सर्तकता पूर्वक वार्तालाप कर सम्पर्क में ले आएं तो यह संभाव्य है कि आप वैदेशिक भ्रमण कार्य पूरा कर सकती हैं।

आप निःसंदेह एक सुंदर भवन की स्वामी होंगे तथा अपनी प्यारी पत्नी एवं व्यवहार कुशल संतान से सुखी रह सकती हैं। परंतु आपमें बाहर भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है क्योंकि आप खेल-कूद तथा भ्रमण कार्य में व्यस्त रहकर घर से बाहर रहती हैं। अस्तु आप घर-गृहस्थी के लिए सक्षम नहीं हैं।

आपके लिए कार्य व्यवसायों में अनुकूल एवं शानदार कार्य, कंपनी लॉ, वैदेशिक लोगों के साथ व्यापार संबंध स्थापित करना, शैक्षणिक कार्य, राजनीति कार्य एवं शैक्षणिक संबंधी कार्य एवं धार्मिक संस्थान के कार्य उत्तम हैं।

यदि आप निम्नांकित निर्देशों को ध्यान में रखकर कार्यों का प्रस्तुतीकरण करें तो

बिना किसी भी व्यवधान के सफल हो जाओगी।

आपके लिए अंको में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा अनुकरणीय है। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।

आपके लिए लाल, मोतिया एवं काले रंग को छोड़ कर शेष सफेद, क्रीम रंग, सूआपंखी रंग, नीला, हरा एवं नारंगी शुभ एवं अनुकूल हैं।